विनेश की 3 जीत, 100 ग्राम वाला विवाद और फिर संन्यास

हिन्दी साप्ताहिक

हर्षिता टाइम्स

RNI Regn. No. UTTHIN/2008/28646

उत्तराखण्ड कैडर के आईएएस अमित नेगी को पीएमओ में मिली अतिरिक्त सचिव की जिम्मेदारी

• वर्ष : 16 • अंक : 31 • देहरादून • वृहस्पतिवार 08 अगस्त, 2024 • मूल्य : 1 रुपये • वार्षिक : 50 रुपये • पृष्ट : 4

प्रदेश में पहली बार मुख्यमंत्री ने सचिव समिति को किया सम्बोधित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में सचिव समिति की बैठक में प्रतिभाग किया। पुष्कर सिंह धामी राज्य के पहले मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने सचिव समिति की बैठक में प्रतिभाग किया। तीन घण्टे तक चली इस बैठक में राज्यहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य हित से जुडी योजनाओं के नीति-निर्धारण और सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पंहुचाने में सचिवगणों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सचिव सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं। शासन और प्रशासन एक सिक्के के दो पहलू होते हैं। राज्य के हर क्षेत्र में विकास के साथ ही, लोगों का जीवन स्तर उठाने के लिए हम सबको सामुहिक प्रयास करने होंगे। लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाये बिना राज्य के समग्र विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि योजनाओं के बेहतर निर्माण के साथ ही उनके सफल क्रियान्वयन के लिए पूरा एक्शन प्लान बनाया जाना चाहिए। सरकार की योजनाओं और निर्णयों का प्रभाव करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है अत: योजनाओं और निर्णयों में राष्ट्रहित और जनहित पहली प्राथमिकता में होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सचिवों को निर्देश दिये कि विभागों के रिक्त पदों का अधियाचन शीघ्र आयोगों को भेजे जाएं। सुनिश्चित कार्ययोजना के साथ आगामी दो सालों में रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यों और योजनाओं के निर्माण में नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जाए और आधुनिक तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल किया जाए। जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जनहित से जुड़े कार्यो में सही रास्ता निकालने की सबके मन में भावना होनी चाहिए। जन अपेक्षाओं के अनुसार हम उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अपने कार्यक्षेत्र में क्या विशिष्ट कार्य कर सकते हैं, इस दिशा में सभी अधिकारी पूरे मनोयोग से कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुड गवर्नेंस की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्यों में जिन इंडिकेटरों में हमें सुधार की आवश्यकता है, उन पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिन इन्डीकेटर पर राज्य में अच्छा कार्य हुआ है, उनको बनाये रखना हमारे सामने चुनौती भी होगी।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि सचिव समिति की बैठक में राज्यहित से जुड़े विषयों की नियमित समीक्षा की जाए। श्रेष्ठ उत्तराखण्ड के निर्माण के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि आगामी एक वर्ष के लिए महत्वपूर्ण योजनाओं का एक रोस्टर प्लान बनाया जाए। जनपदों के प्रभारी सचिव समय-समय पर अपने जनपदों में जाकर योजनाओं की नियमित समीक्षा करें। सचिवों द्वारा बैठक में अनेक सुझाव दिये गये।

बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, एल.फैनई, प्रमुख सचिव न्याय प्रदीप पंत एवं सभी सचिवगण उपस्थित थे।

केदारनाथ यात्रा मार्ग को पुनः खोलने का कार्य प्रारंभ

केदारनाथ। विगत दिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारघाटी में 31 जुलाई को आपदा के कारण हुए नुकसान एवं राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को जल्द से जल्द जनजीवन सामान्य बनाने के निर्देश दिए गए थे तथा क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय राजमार्ग एवं पैदल यात्रा मार्ग में अवरुद्ध यात्रा मार्ग को तत्परता से दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए थे।

अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग निर्भय सिंह ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री एवं जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सोनप्रयाग एवं गौरीकुंड के बीच जो डेढ मीटर राष्ट्रीय राजमार्ग पूर्णत: क्षतिग्रस्त हो गया था जिसे खोलने के लिए पोकलैंड मशीन के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग खोलने के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके साथ ही सोनप्रयाग पुल के पास जो सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी उसका पुश्ता निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

अधिशासी अभियंता डीडीएमए विनय झिंक्वाण ने अवगत कराया है कि केदारनाथ पैदल मार्ग कई स्थानों से क्षतिग्रस्त हो गया है तथा लगभग 15 स्थान ऐसे हैं जहां पैदल सड़क मार्ग पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग को दुरुस्त करने के लिए मजदूरों द्वारा विषम कठिन परिस्थितियों में मरम्मत एवं निर्माण कार्य निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम से छोटी लिनचोली तक क्षतिग्रस्त पैदल यात्रा मार्ग को आवाजाही हेतु सुचारू कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि मजदूरों द्वारा क्षतिग्रस्त केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग को खोलने के लिए कार्य त्वरित गति से किया जा रहा है किन्तु मौसम साथ न देने के कारण मजदूरों की सुरक्षा के दृष्टिगत कार्य निरंतर नहीं हो पा रहा है।

धामी के नेतृत्व मे चले शानदार रेस्क्यू अभियान से बच गयी हजारों जिंदगियां : चमोली

देहरादून। भाजपा ने आपदा में हजारों लोगों की जान बचाने के लिए मुख्यमंत्री धामी समेत सभी रेस्क्यू ऐजेंसियों का आभार व्यक्त किया है। पार्टी के वरिष्ठ विधायक विनोद चमोली ने विश्वास जताया कि शीघ्र ही जनता के सहयोग से हम चार धाम यात्रा को पुन: शुरू करने में सफल होंगे।

उन्होंने कहा, देश इन दिनों चारों और आपदा का दंश झेल रहा और देवभूमि भी इससे अछूती नहीं है। लेकिन सीएम पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में राज्य में चलाए गए शानदार बचाव अभियान का नतीजा है कि हम 16 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकालने में कामयाब हुए हैं। इसे संभव करने में पुलिस प्रशासन एवं आपदा से जुड़ी एजेंसियों ने एकजुट होकर रात दिन काम किया है। साथ ही स्थानीय लोगों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के अभियान में दिए सहयोग ने इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

चमोली ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता आपदा में फंसे लोगों को

बचाने की थी और अब प्राथमिकता, चार धाम यात्रा को दोबारा शीघ्र शुरू करने की है। जिसको लेकर मुख्यमंत्री ने गंभीरता दिखाते हुए अधिकारियों को शीघ्र यात्रा शुरू करने के निर्देश दिए हैं। यही वजह है कि 25 फीसदी की छूट के साथ हेलीकॉप्टर सेवा का शुरू होना हम सब लोगों के लिए उत्साहवर्धन करने वाला है।

पैदल यात्रा पुन: शुरू करना सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि लगभग 75 फीसदी से अधिक मार्ग क्षतिग्रस्त है। उन्होंने भरोसा जताया कि तय समय में एक बार पुन: श्रद्धालुओं के लिए यात्रा सुगम हो जाएगी जो प्रदेश में आर्थिकी को बढ़ाने में मददगार होगी।

माजरी माफी के चण्डी एनक्लेव में हर्षोल्लास के साथ मनाया तीज महोत्सव

देहरादून। माजरी माफी के चण्डी एनक्लेव में इस साल तीज महोत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक इस पारंपरिक त्योहार का स्वागत किया और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

तीज महोत्सव के अवसर पर पूरे एनक्लेव को रंग-बिरंगे सजावट से सजाया गया था। महिलाओं और बच्चों ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर इस आयोजन में हिस्सा लिया। लोक गीतों और नृत्यों की प्रस्तुतियों ने इस त्योहार को और भी जीवंत बना दिया।

इस अवसर पर स्थानीय समाज सेविका विजया भट्ट ने कहा, 'तीज महोत्सव हमारी संस्कृति और परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देता है।'

महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें मेंहदी प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस और नृत्य प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस साल तीज महोत्सव का मुख्य विषय 'महिलाओं की शक्ति और स्वतंत्रता' था, जो समसामयिक मुद्दों पर प्रकाश डालता था।

महोत्सव का समापन पर सभी लोगों ने मिलकर स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। इस आयोजन ने न केवल लोगों को मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर एकजुट किया।

सम्पादकीय

तीज का पर्व और उसकी महत्ता

तीज का पर्व भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पर्व मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा मनाया जाता है और इसका विशेष महत्व खासकर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में है। तीज का पर्व हर साल सावन माह के दौरान आता है और इसे श्रावणी तीज, हरितालिका तीज, और कजरी तीज जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। इस अवसर पर महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए उपवास करती हैं।

तीज का पर्व मुख्य रूप से प्रकृति और उसकी पूजा से जुड़ा हुआ है। यह पर्व मानसून के आगमन के साथ जुड़ा है, जब चारों ओर हरियाली छा जाती है। महिलाएं इस दिन पेड़-पौधों की पूजा करती हैं और अपने जीवन में खुशियों और समृद्धि की कामना करती हैं। इस पर्व का एक धार्मिक पक्ष भी है, जिसमें देवी पार्वती और भगवान शिव की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इसी दिन देवी पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी, और इसी कारण यह दिन विशेष महत्व रखता है।

तीज के त्योहार की तैयारी पहले से शुरू हो जाती है। महिलाएं इस दिन के लिए खासतौर पर तैयार होती हैं। नए कपड़े, आभूषण, और मेहंदी लगाना इस पर्व का अभिन्न हिस्सा हैं। महिलाएं अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर गीत गाती हैं और नाचती हैं। यह एक सामाजिक अवसर भी है, जहां महिलाएं एकत्रित होकर अपनी खुशियों का इज़हार करती हैं। तीज के अवसर पर कई विशेष व्यंजन भी बनते हैं, जैसे गुड़-चिउड़े, मूंगफली, और ठेकुआ, जो एक प्रकार की मिठाई होती है।

तीज का पर्व उपवास का पर्व भी है। महिलाएं इस दिन उपवास रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं। यह उपवास न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह एक अवसर है जब महिलाएं अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं को पुनः जीवित करती हैं। उपवास के दौरान महिलाएं न केवल खाने-पीने से दूर रहती हैं, बल्कि वे मानसिक और आत्मिक शुद्धता के लिए भी ध्यान और साधना करती हैं।

उपवास के पीछे की सोच यह भी है कि यह एक सकारात्मक जीवनशैली को अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश देता है। इसके अलावा, यह पर्व महिलाओं को एकजुट करने का भी एक माध्यम है, जिससे वे एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा कर सकती हैं और एकजुटता का अनुभव कर सकती हैं।

तीज का पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। इस दिन महिलाएं एकजुट होकर एक-दूसरे के साथ मिलकर खुशियों का आदान-प्रदान करती हैं। यह पर्व परिवार और समाज में बंधुत्व की भावना को बढ़ाता है। महिलाएं इस दिन अपने मायके जाती हैं, जहां वे अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर तीज की पूजा करती हैं। इससे पारिवारिक बंधनों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है।

आज की नई पीढ़ी के लिए तीज का पर्व एक संदेश भी देता है। यह संदेश है कि हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजकर रखना चाहिए। तीज का पर्व हमें यह सिखाता है कि जीवन में संतुलन कैसे बनाया जाए, कैसे हम अपने पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत कर सकते हैं।

इस पर्व का महत्व केवल धार्मिक या सामाजिक ही नहीं है, बल्कि यह हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक करता है। उपवास रखने का अर्थ यह नहीं है कि हमें अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करनी चाहिए, बल्कि यह एक अवसर है अपनी जीवनशैली में सुधार लाने का।

तीज का पर्व भारतीय संस्कृति की एक अनमोल धरोहर है। यह न केवल महिलाओं के लिए एक उत्सव है, बल्कि यह सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने का भी एक माध्यम है। इस पर्व के माध्यम से हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रख सकते हैं, और आने वाली पीढ़ियों को इस महत्त्व को समझा सकते हैं।

इसलिए, हमें तीज के पर्व को न केवल एक उत्सव के रूप में मनाना चाहिए, बल्कि इसे एक अवसर मानकर अपनी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। यह पर्व हमें एकजुटता, प्रेम, और भाईचारे का संदेश देता है, जिसे हमें अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

ड्रोन एवं रोप रेस्क्यू से एसडीआरएफ ने बचाई 02 जानें : श्री केदारनाथ-तोशी त्रिजुगीनारायण पैदल मार्ग पर असाधारण और अकल्पनीय रेस्क्यू ऑपरेशन

सोनप्रयाग। सोनप्रयाग कोतवाली से एसडीआरएफ सोनप्रयाग की टीम को अत्यंत महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त हुई कि 11 श्रद्धालु त्रिजुगीनारायण से ऊपर 08 किलोमीटर की दूरी पर जंगल में भटक गए हैं। उनके पास खाने-पीने का सामान समाप्त हो चुका था, और उन्हें तत्काल मदद की आवश्यकता थी। सूचना मिलते ही मणिकांत मिश्रा, सेनानायक एसडीआरएफ, के निर्देश पर एसडीआरएफ की टीम 13 किलोमीटर के सड़क मार्ग से त्रिजुगीनारायण के लिए रवाना हुई।

त्रिजुगीनारायण पहुंचने के बाद, एसडीआरएफ की टीम, जिसमें 06 बहादुर जवान शामिल थे, एसआई जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में स्थानीय लोगों के साथ 05 किलोमीटर की दुर्गम चढ़ाई चढ़कर सोन नदी के किनारे पहुंचे। यहां का श्य अत्यंत विकट था - सोन नदी अपने सबसे तेज प्रभाव में बह रही थी। इसी दौरान, सूचना मिली कि 11 में से 09 श्रद्धालु सकुशल वापस आ चुके हैं, लेकिन 02 लोग अब भी फंसे हुए हैं।

ड्रोन सर्चिंग और रोप रेस्क्यू की मदद से साहसिक बचाव कार्य

एसडीआरएफ की टीम ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से ड्रोन का उपयोग कर सोन नदी के दूसरी ओर जंगल की सर्चिंग शुरू की। ड्रोन को ऊपर देख, चट्टान पर बैठे दोनों युवकों ने आवाज लगाई। एसडीआरएफ की टीम ने सिटी बजाकर उन युवकों को उनके स्थान की पहचान दिलाई। दोनों युवक खड़ी चट्टान के ऊपर फंसे थे, जहां से उनके लिए नीचे उतरना असंभव था।

दोनों युवक, अंकित पुत्र फाजिल मंडल और सुनील पुत्र महेश सिंह, सरिता विहार, दिल्ली के निवासी हैं। 31 जुलाई को बादल फटने के बाद वे गौरीकुंड में फंस गए थे। स्थानीय लोगों के कहने पर वे गौरीकुंड-त्रिजुगीनारायण-तोशी मार्ग पर चल दिए। उनकी संख्या 13 के करीब थी, लेकिन कुछ लोग वापस चले गए और 09 सकुशल सोनप्रयाग पहुंच गए। ये दोनों युवक थकान और बिना खाने-पीने के कारण धीमे-धीमे आगे बढ़ रहे थे और अपने साथियों से बिछड़ गए। अपनी परिस्थिति को देखते हुए, उन्होंने तुरंत सोनप्रयाग कोतवाली को अपने फंसने की सूचना दी।

एसडीआरएफ की टीम ने रोप रेस्क्यू की मदद से विकराल नदी को पार किया और खड़ी चट्टान से दोनों युवकों को सुरक्षित नीचे उतारा। इसके बाद, एसडीआरएफ की टीम ने उन दोनों युवकों को सुरक्षित सोनप्रयाग कोतवाली पहुंचाया।

पुलिस महानिरीक्षक, एसडीआरएफ रिधिम अग्रवाल ने श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग में 5000 से अधिक यात्रियों को व त्रिजुगीनारायण में इन युवकों को कठिन परिस्थितियों में रेस्क्यू करने पर एसडीआरएफ टीम की सराहना की है। उनकी अदम्य साहस और त्वरित कार्रवाई ने इस असाधारण रेस्क्यू को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में एसडीआरएफ के एसआई जितेंद्र सिंह के साथ आरक्षी रमेश रावत, आरक्षी हिमांशु नेगी, आरक्षी सोनू सिंह, होमगार्ड कमह्न कैलाश, पैरामेडिक्स अमृत एवं भूपेंद्र शामिल रहे। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में स्थानीय लोगों ने भी एसडीआरएफ का काफी सहयोग किया।

रक्तदान से अंगदान की यात्रा : जीवन का संपूर्ण दान - ललित जोशी

देहरादून। सीआईएमएस एंड आर कॉलेज कुंआवाला, देहरादून में 'रक्तदान से अंगदान की ओर' विषय पर एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड चिकित्सा स्वास्थ्य के पूर्व निदेशक डॉ. एल. एम. उप्रेती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने अतिथियों का स्वागत सत्कार किया और कार्यक्रम को एक नई दिशा दी।

मुख्य अतिथि डॉ. एल. एम. उप्रेती ने अपने संबोधन में रक्तदान और अंगदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दोनों ही मानव जीवन की सुरक्षा और संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने समाज में जागरूकता और स्वीकृति बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि रक्तदान और अंगदान से दूसरों की जिंदगी बचाई जा सकती है, जो अत्यधिक मानवीय और परोपकारी कार्य है।

एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने कहा कि रक्तदान और अंगदान दोनों ही जीवनरक्षक प्रक्रियाएं हैं, जो समाज को सशक्त बनाती हैं। उन्होंने लोगों को इन दिशा में प्रेरित करने और इसके लाभों को समझाने की जरूरत पर बल दिया।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि जीवित रहते हुए और मृत्यु के बाद कौन-कौन से अंग दान किए जा सकते हैं। जीवित रहते हुए हम रक्त, त्वचा, हड्डी, बोन मैरो, आंत का कुछ हिस्सा, एक गुर्दा और यकृत का एक हिस्सा दान कर सकते हैं। वहीं, मृत्यु के बाद आंखों की कॉर्निया, गुर्दे, यकृत, आंत, पेनक्रियाज, हड्डियां, दिल, फेफड़े, खून की नलियां और त्वचा दान कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम में सीआईएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रधानाचार्या डॉ. सुमन वशिष्ठ, सीआईएमएस कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल की प्रधानाचार्या डॉ. चारू, उपप्रधानाचार्य रबीन्द्र कुमार झा, शिवानी बिष्ट सहित कर्मचारी और 300 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने रक्तदान और अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

एसटीएफ ने वन्य जीव तस्कर को किया गिरफ्तार, दो गुलदार की खाल बरामद

देहरादून। एसटीएफ ने चंपावत वन प्रभाग से वन्य जीव तस्कर को गिरफ्तार करते हुए दो गुलदार की खाल बरामद की है। उत्तराखण्ड एसटीएफ एवं चम्पावत वन प्रभाग की गई संयुक्त कार्यवाही में देवीधुरा फॉरेस्ट रेंज से वन्य जीव तस्कर को गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ व वन प्रभाग की टीम अभियुक्त से विस्तृत पूछताछ कर रही है। अन्य लोगों के भी अपराध में शामिल होने की आशंका है। बरामद गुलदार की खालें 2 से 3 साल पुरानी बताई गई है।

एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने देहरादून में आहूत प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि बीते सात दिन के अन्दर दो अलग-अलग मामलों में चार वन्य जीव तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो हाथी दांत एवं दो लेपर्ड की खालें बरामद की गयी है। उन्होंने बताया कि कि प्रभारी निरीक्षक एमपी सिंह के नेतृत्व में एसटीएफ तथा चम्पावत वन प्रभाग की टीम ने एक संयुक्त अभियान में शुक्रवार की शाम कनवाड बैंड देवीधुरा वन रेंज क्षेत्र से एक वन्यजीव तस्कर आनंद गिरि पुत्र महेश गिरी निवासी सूनकोट सेलाखेत थाना मुक्तेश्वर जनपद नैनीताल को दो लेपर्ड की खाल के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर खालों को किसी बाहर की पार्टी को बेचने के लिए निकला था लेकिन एसटीएफ के हत्थे चढ़ गया। गुलदार को किन जगह पर मारा, एसटीएफ यह पता करने की भी कोशिश कर रही है।

प्रभागीय वनाधिकारी रमेश चन्द्र काण्डपाल बताया कि खालें 2-3 वर्ष पुरानी लग रही हैं । गिरफ्तार तस्कर के विरूद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 2,9,39,42,49,50,51 में देवाधुरा रेंज में अभियोग पंजीकृत कराया गया है। गिरफ्तार तस्कर लम्बे समय से वन्यजीव अंगों की तस्करी में लिप्त था। एसटीएफ की इस कार्यवाही में मुख्य आरक्षी गोविन्द बिष्ट की विशेष भूमिका बताई गई।

ग्राफिक एरा के लक्ष्य सेन ने ओलम्पिक में रचा इतिहास, खुशी से झूमे छात्र

देहरादून। पेरिस ओलम्पिक में शटलर लक्ष्य सेन के एक नया इतिहास रचते ही ग्राफिक एरा में जश्न शुरु हो गया। देर रात विशाल स्क्रीन पर अपने प्यारे लक्ष्य सेन का रोमांचक मुकाबला देखने के लिए जुटे सैकड़ों छात्र छात्राएं उनकी जीत पर खूब नाचे और खुशियां मनाई।

ग्राफिक एरा के एमबीए के छात्र और पूरे देश की ओलम्पिक में गोल्ड मैडल जीतने की उम्मीदों को हर मैच में बलवती बनाने वाले लक्ष्य सेन का मुकाबला देखने के लिए आज शाम से ही छात्र छात्राओं की भीड़ लगी थी। ताइवान के शटलर चाऊ टियेन चेन से एक सैट में लक्ष्य सेन को पिछड़ते देखकर युवाओं की धड़कने बढ़ गई थीं, लेकिन बाद के दो सैटों में लक्ष्य सेन को आगे निकलते देखकर ग्राफिक एरा का बीटेक ऑडीटोरियम तालियों और नारों से गूंजने लगा। लक्ष्य सेन के शिक्षक और विश्वविद्यालय के पदाधिकारी भी बहुत उत्साहित नजर आये।

पेरिस ओलम्पिक में मैच जीतने के साथ ही लक्ष्य सेन ने मेंस सिंगल्स बैडमिंटन के सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई तो विश्वविद्यालय परिसर में रात में ही मिठाइयां बांटी जाने लगी।

ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ कमल घनशाला ने कहा कि हमारे लक्ष्य सेन ने आज ओलम्पिक में एक नया इतिहास रच दिया है। वह ओलम्पिक के इतिहास में ऐसे पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गये हैं जो सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। डॉ घनशाला ने कहा कि लक्ष्य सेन पर ग्राफिक एरा के साथ ही पूरे देश को गर्व है। पूरा विश्वास है कि वह देश के लिए गोल्ड मैडल जरूर जीतेंगे।

राज्य में निराश्रित गोवंशीय पशुओं को गोद लेने वाले लोगों को एक निश्चित मानदेय देने के योजना की शुरूआत की तैयारियां आरम्भ

देहरादून। राज्य में निराश्रित गोवंशीय पशुओं को गोद लेने वाले लोगों को एक निश्चित मानदेय देने के योजना को जल्द आरम्भ करने की दिशा में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने पशुपालन विभाग को इस सम्बन्ध में तत्काल गाइडलाइन्स बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की सड़कों पर एक भी निराश्रित पशु न दिखे इसके लिए प्रशासन व आमजन को मिलजुल कर पूरी संवेदनशीलता व मानवीयता से कार्य करना होगा।

मुख्य सचिव रतूड़ी ने राज्यभर में गोदसदनों के निर्माण के लिए मिसिंग लिंक के माध्यम से जारी 10 करोड़ की धनराशि को उपयोग करने के लिए पंचायती राज्य विभाग को जल्द से जल्द इस सम्बन्ध में वित्तीय मद खोलने का प्रस्ताव वित्त विभाग को प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गोसदनों व सड़कों में निराश्रित गोवंशीय पशुओं की व्यवस्था व स्थिति की मश्चनिटरिंग के लिए एक कमेटी के गठन के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने लोगों व ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों द्वारा पाले जाने वाले गोवंशीय पशुओं की अनिवार्य ईयरटैंगिग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं, ताकि आवारा व निराश्रित गोवंशीय के मालिकों की ट्रैकिंग की जा सके। उन्होंने इस सम्बन्ध में जन जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सीएस ने राज्य में निराश्रित गोवंशीय पशुओं के लिए गोसदनों के निर्माण हेतु सीएसआर के माध्यम से भी धन जुटाने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में उत्तराखण्ड पशु कल्याण बोर्ड ने जानकारी दी कि वर्तमान में में राज्य में कुल पंजीकृत 60 गोसदन हैं। पंजीकृत गोसदनों में शरणागत गोवंशीय पशुओं की संख्या लगभग 14000 है। वर्तमान में निराश्रित पशुओं की संख्या 20687 है। जनपद पौड़ी गढ़वाल में सर्वाधिक 5525 निराश्रित गौवंशीय पशु हैं। ऊधमसिंह नगर में 4955, देहरादून में 2050, नैनीताल में 2155 व टिहरी में 2259 निराश्रित पशु हैं। राज्य में सभी जनपदों में 54 स्थानों पर भूमि चिन्हित कर सड़कों पर विचरण कर रहे निराश्रित गोवंशीय पशुओं को शरण दिए जाने हेतु गोसदनों की स्थापना का कार्य किया जा रहा है। इस काय्र को तीव्रता से कराये जाने हेतु 25 स्थानों पर मिसिंग लिंक के माध्यम से 10 करोड़ की धनराशि प्रस्तावित है। गोसदनों के निर्माण में जनपद टिहरी में सबसे बेहतरीन कार्य किए गए हैं।

बैठक में सचिव बीवीआरसी पुरूषोतम, अपर सचिव सी रविशंकर, नितिन सिंह भदौरिया सहित पशुपालन व पंचायती राज विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

पंचायतों के सशक्तिकरण को 201 करोड़ देने पर महाराज ने केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह का आभार जताया

देहरादून। प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने पंचायतों में सतत विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के तहत उत्तराखंड को 201 करोड़ की धनराशि देने पर केंद्रीय पंचायतीराज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह का आभार जताया है।

प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज के विशेष अनुरोध पर केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह द्वारा केंद्र प्रायोजित योजना राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) 2024-25 की वार्षिक कार्ययोजना के तहत उत्तराखंड में पंचायतों में सतत विकास लक्ष्य को हासिल करने के लिए 201.22 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत करने पर केंद्रीय पंचायती राज मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

स्वीकृत धनराशि अन्तर्गत पंचायतों में 251653 प्रतिभागियों के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण एवं अन्य प्रशिक्षण गतिविधियों हेतु 80.32 करोड़, प्रशिक्षण मॉडयूल, प्रशिक्षण सामग्री, एक्सपोजर विजिट (राज्य के भीतर एवं राज्य के बाहर), पंचायत लर्निंग सेंटर और हैण्ड होल्डिंग स्पोर्ट आदि के लिए 33.01 करोड़, संस्थागत अवसंरचना-एसपीआरसी, 09 मानव संसाधन (यूएनडीपी के माध्यम से), डीपीआरसी-65 तथा बीपीआरसी-96 के लिए 7.38 करोड़, 113 पंचायत भवन तथा 100 अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 46.75 करोड़, योजना प्रबंधन इकाई-4 एसपीएमयू, 39 डीपीएमयू, 190 बीपीएमयू के लिए 6.22 करोड़, 2745 कम्प्यूटर क्रय हेतु 13.72 करोड़, नवोन्मेषी गतिविधियां-03 (बायोडायजेस्टर, एलएमएस, पीएलसी) हेतु 6.52 करोड़, प्रचार-प्रसाार के लिए 4.13 करोड़ और योजना प्रबंधन हेतु 3.15 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है।

31 जुलाई 2024 को पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार में आरजीएसए सीईसी बैठक हुई थी जिसमें पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के सचिव विवेक भारद्वाज, अपर सचिव चंद्रशेखर कुमार, संयुक्त सचिव विकास आनंद और उत्तराखंड के पंचायती राज सचिव चंद्रेश यादव, पंचायत निदेशक निधि यादव, संयुक्त निदेशक राजीव कुमार नाथ त्रिपाठी, अपर निदेशक मनोज तिवारी की मौजूदगी में उत्तराखंड में पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए यह धनराशि स्वीकृत की गई।

उत्तराखंड का लाल पैट्रोलिंग के दौरान जम्मू में शहीद

देहरादून। ग्राम जुराना, चंद्रबदनी खास पट्टी टिहरी गढ़वाल के रहने वाले हवलदार सते सिंह बिष्ट जम्मू कश्मीर में पेट्रोलिंग के दौरान शहीद हो गए। सेवा के अधिकारियों द्वारा बलिदानी के परिजनों को उनके शहीद होने की सूचना दी गई। बता दें कि जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगधार में अठुरवाला निवासी हवलदार सते सिंह बिष्ट द्ध42ऋ पुत्र स्वगह्य गोपाल सिंह बिष्ट बलिदान हो गए। वह मूल रूप से ग्राम जुराना, चंद्रबदनी खास पट्टी टिहरी गढ़वाल के रहने वाले थे। वर्तमान में वो पिछले सात साल से अठुरवाला में रह रहे थे।

वहीं बताया जा रहा है कि आज शाम देहरादून एयरपोर्ट पर हेलिकश्वप्टर के माध्यम से उनका पार्थिव शरीर लाया जाएगा। और कल ;षिकेश में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। हवलदार सते सिंह के परिवार में उनकी पत्नी संगीता द्ध42ऋ पुत्री स्वाति बिष्ट, महक बिष्ट और पुत्र अयान बिष्ट हैं। बलिदानी के परिवार में दो बहन और एक भाई है।

10 अगस्त को होगी बेसिक शिक्षकों की काउंसिलिंग- डॉ. धन सिंह रावत

देहरादून। सूबे में प्राथमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रत्येक जनपद में आगामी 10 अगस्त को बेसिक शिक्षकों की काउंसिलिंग की जायेगी। जबकि 14 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हाथों नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का शुभारंभ किया जाएगा इसके उपरांत जनपदों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये जायेंगे। इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा को अपने-अपने जनपदों में भतह्र प्रक्रिया के तहत कांउसलिंग की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिये गये हैं।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि प्रदेश के नौनिहालों को प्राथमिक स्तर पर गुणवत्तपरक शिक्षा उपलब्ध कराने के ष्टिगत शीघ्र ही विभिन्न राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में बेसिक शिक्षकों की तैनाती कर दी जायेगी। उन्होंने बताया कि आगामी 10 अगस्त को समस्त जनपदों में एक साथ बेसिक शिक्षकों की भतह्र हेतु काउंसिलिंग की जायेगी। इसके उपरांत 14 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हाथों नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का शुभारंभ कर आसपास के जनपदों के चयनित बेसिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे जायेंगे। इसके उपरांत अवशेष चयनित बेसिक शिक्षकों को जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सांसद, विधायक, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों तथा विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में नियुक्ति पत्र वितरित किये जायेंगे।

डॉ. रावत ने बताया कि सभी जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा को अर्ह अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सुनिश्चित कराने के निर्देश दे दिये गये हैं। उन्होने बताया कि समस्त जनपदों में काउंसलिंग में एकरूपता लाने को कहा गया है। साथ ही अर्ह अभ्यर्थियों को आवश्यक अभिलेखों के साथ काउंसलिंग में प्रतिभाग करने हेतु आगामी 07 अगस्त को जनपद स्तर पर सूचना अनिवार्य रूप से देने के निर्देश भी अधिकारियों को दे दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि काउंसलिंग के लिये निर्धारित स्थान, मेरिट सूची इत्यादि की जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट सहित विभिन्न संचार माध्यमों के जरिये अभ्यर्थियों को दिये जाने को कहा गया है।

डा. रावत ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न विद्यालय में प्रथम चरण में बेसिक शिक्षकों के 2906 रिक्त पदों पर नियुक्ति की जायेगी। जिसमें पौड़ी जनपद में 298, चमोली 446, रूद्रप्रयाग 182, टिहरी 315, उत्तरकाशी 211, देहरादून 41, हरिद्वार184, नैनीताल 190, अल्मोड़ा 142, बागेश्वर 187, चम्पावत 75, पिथौरागढ़ 326 तथा ऊधमसिंहनगर में 309 पद शामिल है। उन्होने बताया कि उक्त पदों पर बेसिक शिक्षक नियुक्ति होने से प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा की सूरत बदल जायेगी और दूरस्थ व दुर्गम क्षेत्र के विद्यालयों में पठन-पाठन सुचारू हो सकेगा।

एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज ट्रांसकैवल टावर करने वाला देश का पहला मेडिकल कॉलेज बना

देहरादून। श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज ने ट्रांसकैवल टावर तकनीक को सफलतापूर्वक अपनाकर देश का पहला मेडिकल कॉलेज बनने का गौरव प्राप्त किया है। यह तकनीक हृदय रोगियों के उपचार में विश्व की सबसे अत्याधुनिक तकनीकों में से एक है। एसजीआरआर ने एम्स, पीजीआई और सीएमसी वैल्लोर जैसे संस्थानों को पीछे छोड़ दिया है।

श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय पंडिता ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी दी। अस्पताल के चेयरमैन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. साहिल महाजन, डॉ. अभिषेक मित्तल और उनकी टीम को बधाई दी। पिथौरागढ़ निवासी बंशी राम का सफलतापूर्वक उपचार कर उन्हें स्वस्थ किया गया है।

ट्रांसकैवल टावर तकनीक हृदय की बंद धमनियों के बजाय नसों के रास्ते उपचार करती है, जिससे मरीज को कम दर्द और जल्दी रिकवरी मिलती है। एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज ने इस तकनीक को अपनाकर देश में एक नई मिसाल कायम की है।

भारी प्राकृतिक आपदा ने कांग्रेस की 'केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा बचाओ' पदयात्रा की स्पीड पर लगाया ब्रेक

सीतापुर/रुद्रप्रयाग। भारी प्राकृतिक आपदा ने मंजिल से ठीक पहले कांग्रेस की केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा बचाओ पदयात्रा की स्पीड पर ब्रेक लगा दिया। केदारनाथ पैदल रूट के कई जगह ध्वस्त होने से सीतापुर में यात्रा को स्थगित कर दिया गया। राहुल गांधी के निर्देश पर यात्रा स्थगित की गई। पदयात्रा का समापन 2/3 अगस्त को केदारनाथ धाम में होना था। मौसम व स्थितियाँ अनुकूल होने पर यात्रा सीतापुर से फिर शुरू की जाएगी। दिल्ली में केदारनाथ धाम के निर्माण की योजना सामने आने के बाद कांग्रेस ने विरोध स्वरूप 24 जुलाई को यह पदयात्रा हरकी पैड़ी हरिद्वार से शुरू की थी।

बीते दस दिन में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता 200 किमी पैदल दूरी तय कर सीतापुर तक पहुंच गए थे। उंस बीच कुछ दिन से जारी भारी बारिश ने केदारनाथ पैदल रूट को तहस नहस कर दिया। कई तीर्थयात्री लापता बताए जा रहे हैं। प्रदेश में आई आपदा में विभिन्न स्थानों पर मौतें भी हुई। इधर, रास्ते में फंसे तीर्थयात्रियों को सकुशल बाहर निकालने का अभियान जारी है।

इस पदयात्रा में प्रदेश अध्यक्ष करण मेहरा, पूर्व सीएम हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, प्रदीप टम्टा, प्रीतम सिंह, रंजीत रावत, हरक सिंह रावत, गोदावरी थापली समेत कई नेता व कार्यकर्ता सीतापुर पहुंच चुके थे।

2/3 अगस्त को पदयात्रा का समापन केदारनाथ धाम में होना था। लेकिन अब यात्रा स्थगित होने के कारण समापन की नयी तारीख तय की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने सीतापुर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ध्वजारोहण कर पहले आपदा में जान गंवा चुके लोगों की आत्मा की शांति के लिए मौन रखा ।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने केदार घाटी में आई आपदा के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए सभी यात्रियों से अपील की है कि केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा को स्थितियां सामान्य होने तक स्थगित कर दिया जाए। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से आपदा राहत कार्यों में जुटने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने यात्रा में शामिल सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार दस दिनों तक दो सौ किलोमीटर पैदल चल कर जिस संकल्प शक्ति का परिचय दिया वह प्रशंसनीय और अनुकरणीय है।

उन्होंने कहा कि हम यात्रा को इसी चरण में पूरा करना चाहते थे किंतु आपदा से जो स्थितियां उत्पन्न हुई हैं इसमें हमारा पहला कर्तव्य प्रभावित लोगों की सहायता करना है इसलिए अब हम यात्रा को स्थगित कर आपदा प्रभावितों की सहता करेंगे और स्थितियां सामान्य होने के पश्चात दोबारा यात्रा यहीं (सीतापुर) से शुरू करेंगे। कांग्रेस की केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा बचाओ पदयात्रा से प्रदेश का राजनीतिक माहौल गर्मा गया था। इस पदयात्रा से निकट भविष्य में होने वाले केदारनाथ उपचुनाव में धाम की प्रतिष्ठा व सोना चोरी प्रकरण एक बड़ा मुद्दा अवश्य बन गया था।

देहरादून में राष्ट्रीय हड्डी एवं जोड़दिवस का भव्य आयोजन

देहरादून। देहरादून ऑर्थोपीडिक सोसायटी और सोसायटी फॉर हेल्थ, एजुकेशन एंड वुमन एम्पावरमेंट अवेयरनेस ने रेड फॉक्स होटल, राजपुर रोड में राष्ट्रीय हड्डी एवं जोड़ दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम का सफल आयोजन किया।

इस विशेष अवसर पर सोसायटी के भूतपूर्व एवं वर्तमान अध्यक्षों तथा सचिवों को मुख्य अतिथि, स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. तारा आर्य, इंडियन ऑर्थोपीडिक एसोसिएशन के उत्तरांचल चौप्टर के संस्थापक अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. बी. के. एस. संजय, और देहरादून ऑर्थोपीडिक सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. एस. एन. सिंह ने सम्मानित किया।

इंडियन ऑर्थोपीडिक एसोसिएशन द्वारा 2012 से 4 अगस्त को राष्ट्रीय हड्डी एवं जोड़ दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हड्डी और जोड़ों से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता फैलाना है। इसके अतिरिक्त, संजय आर्थोपीडिक, स्पाइन एंड मैटरनिटी सेंटर द्वारा 5 से 10 अगस्त तक एक साप्ताहिक नि:शुल्क आर्थोपीडिक स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण, बीएमडी, आपरेशन और फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय को मिली पहली महिला कुलपति प्रोफेसर हेमलता के.

देहरादून/हरिद्वार। प्रोफेसर हेमलता के. को गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (समविश्वविद्यालय)) को कुलपति बनाया गया है। कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. डीएस मलिक ने बताया कि प्रो. हेमलता के. की नियुक्ति यूजीसी के मानकों के अनुरूप वरिष्ठता क्रम में हुई है। जब तक स्थायी कुलपति की नियुक्ति नहीं होती, तब तक वह कुलपति पद के सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगी।

बताते चलें कि गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय की स्थापना 1902 में स्वामी श्रद्धानंद ने कांगड़ी गांव में की थी। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय को 1962 में भारत सरकार द्वारा डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया था। अभी तक विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर पुरुष ही आसीन होते रहे हैं।

कुलसचिव प्रो. डीएस मलिक ने बताया की स्वामी श्रद्धानंद की तपस्थली गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय) में पहली बार एक महिला को कुलपति का कार्यभार दिया गया है। प्रोफेसर हेमलता मदुरई (तमिलनाडु) की रहने वाली हैं। उन्होंने चेन्नई में यूजी और पीजी की है। साल 1997 में गुरुकुल कांगड़ी से

पीएचडी की उपाधि प्राप्त की थी। वह कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून में अंग्रेजी की प्रोफेसर के तौर पर कई दशकों से कार्यरत हैं।

आईक्यूएसी निदेशक प्रो. विवेक कुमार ने कहा कि प्रो. हेमलता भारत सरकार के नियमों व आर्य समाज के सिद्धांतों के अनुरूप गुरुकुल कांगड़ी की तमाम व्यवस्थाओं को जारी रखेंगी। साल 1983 में उत्तर प्रदेश के समय ही वो यहां आ गई थी, तभी से उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी हैं। वहीं, वित्ताधिकारी प्रो. देवेन्द्र कुमार गुप्ता ने कहा कि समविश्वविद्यालय में महिला कुलपति बनने से एक सकारात्मक सोच उत्पन्न हो रही है। साथ ही प्रथम महिला कुलपति मिलने से आर्य समाज द्वारा स्थापित गुरुकुल कांगड़ी को एक नया आयाम मिला है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सुबोध भट्ट द्वारा दून वाणी प्रिंटर्स डी0एल0 रोड, देहरादून से मुद्रित एवं मोहकमपुर कलां, माजरी मी, पो0ओ0 नवादा, देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित।
सम्पादक : सुबोध भट्ट मो0 9837383994, email : subodhbhatt09@gmail.com
Web site : harshitatimes.com, facebook page : harshitatimes.com, email : harshitatimes09@gmail.com,